

हरिभूमि सीहोर भूमि फ्रंट पेज

मोपाल, रविवार 3 मई 2026

सीहोर | मैरुंदा | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

खबर संक्षेप

कक्षा 9वीं, 11वीं की द्वितीय परीक्षा आज
सीहोर। प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षा 9वीं एवं 11वीं की द्वितीय परीक्षा की समय-सारणी जारी कर दी है। कक्षा 9वीं की परीक्षा 3 जून से शुरू होगी और 12 जून तक चलेगी, जबकि कक्षा 11वीं की द्वितीय परीक्षा भी 3 जून से शुरू होगी और 13 जून को समाप्त होगी। परीक्षा को लेकर संचालनालय द्वारा दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। वार्षिक परीक्षा में एक या एक से अधिक विषयों में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण विद्यार्थी द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे।

दूल्हा बादशाह बाबा की दरगाह पर चलेगा 3 दिन तक लंगर
सीहोर। हजरत दूल्हा बादशाह बाबा की दरगाह पर पहली बार तीन दिनों तक लंगर चलेगा। कवि सम्मेलन और मुशायरा के बाद रूहानी इबादती कव्वालियों का मुकाबला होगा। सर्वधर्म हिंदू मुस्लिम एकता उर्स कमेटी 5 से 7 मई तक 58 वा उर्स आयोजित करेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय और विशेष अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, ऑल इंडिया मुस्लिम लीग कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन बल्लू, उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ रवि सोलंकी, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सुदेश यादव, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश राय और समाजसेवी मुनव्वर कौरप होंगे। हजरत दुल्ला बादशाह बाबा की दरगाह पर तीनों दिनों तक नफीस बाबा अपनी टीम के साथ सूफी के रूप में मौजूद रहेंगे।

जेट की तपती दोपहर में दो बर्तन पानी के लिए यहां-वहां भटकने को मजबूर आधी आबादी, कोस रही सिस्टम को

अंचल में खूंद-खूंद को तरस रहे लोग, 44 डिग्री तापमान में महिलाओं का फूटा गुस्सा, फोड़े मटके

ग्रामीणों का सबसे ज्यादा गुस्सा पीएचई विभाग पर है। लोगों का सीधा आरोप है कि विभाग के बड़े अधिकारी और मैकेनिकल विंग जानबूझकर देरी कर रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ►► सीहोर

आसमान से आग बरस रही है और धरती तप रही है। पारा 44 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है, लेकिन इछावर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में गर्मी से ज्यादा प्रशासन की अनदेखी की जलन है। मानपुरा, रोला, पचामा और आलमपुरा जैसे गांवों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। जब प्यास बर्दाश्त से बाहर हो गई तो घर का चूल्हा-चौका छोड़कर महिलाएं खाली मटके लेकर सड़कों पर उतर आईं। हरिभूमि की टीम ने जब इन गांवों का दौरा किया तो सिस्टम की सुस्ती और जनता का दर्द साफ नजर आया।

दोपहर 3.45 बजे: नारों से गूंजी मानपुरा की गलियां
भीषण दुपहरी में जब लू के थपड़ों के कारण लोग घरों में दुबके हैं, ग्राम मानपुरा की गलियों में सन्नाटा नहीं बल्कि भारी शोर था। सिर पर खाली मटके और हाथों में प्लास्टिक के डिब्बे लिए महिलाओं का बड़ा हुजूम विरोध प्रदर्शन कर रहा था। मानपुरा, रोला और जमनी समेत आधा दर्जन गांवों की महिलाएं पानी दो-पानी दो के नारे लगा रही थीं। पसीने से तर बतर चेहरे और आंखों का गुस्सा साफ बता रहा था कि अब उनके सब्र का बांध टूट चुका है।

दोपहर 3.55 बजे: जब पत्थर पर फोड़ दिए मटके
महिलाओं का यह जल्था गांव के उस हैंडपंप पर पहुंचा जो हफ्तों



से पानी की जगह सिर्फ गर्म हवा उगल रहा है। महिलाओं ने पहले खाली डिब्बे बजाकर सोए हुए सिस्टम को जगाने की कोशिश की। देखते ही देखते महिलाओं का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने अपने मटके पत्थर पर पटककर फोड़ दिए। प्रदर्शन कर रही ताराबाई और कलावती ने कहा जब मटकों में भरने के लिए पानी ही नहीं है तो इन्हें संभालकर क्या करेंगे। हम प्यासे मर रहे हैं और सिस्टम में बैठे जिम्मेवारी जनप्रतिनिधि-अधिकारी चैन से सो रहे हैं।

शाम 4.10 बजे: 2 किलोमीटर का पैदल सफर

ग्राउंड ज़ीरो पर खड़ी ताराबाई कुशवाहा ने रुंछे गले से अपनी परेशानी बताई। उन्होंने कहा बेटा हम 2 किलोमीटर दूर से सिर पर पानी ढोकर ला रहे हैं। एक महीने से हम गुहार लगा रहे हैं, लेकिन



कोई सुनने वाला नहीं है। हैरानी की बात यह है कि मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव स्तर से कलेक्टर को नए बोरिंग के आदेश काफी पहले दिए जा चुके हैं, लेकिन ये आदेश सरकारी दफ्तरों की फाइलों में ही दबे रह गए।

कलेक्ट्रेट से लेकर मोपाल तक की दौड़ बेकार

समाजसेवी एमएस मेवाड़ा बताते हैं कि 15 दिन पहले भी महिलाओं ने कलेक्ट्रेट का घेराव किया था। सरपंच और ग्रामीण भोपाल तक जाकर अपनी बात रख आए, लेकिन सिवाय झूठे आश्वासन के कुछ नहीं मिला। आलम यह है कि आदेश होने के बावजूद बोरिंग करने वाली मशीन आज तक गांव नहीं पहुंची।

निशाने पर पीएचई विभाग
ग्रामीणों का सबसे ज्यादा गुस्सा पीएचई विभाग पर है। लोगों का



गांव में हो नया बोर

परेशानी से जूझ रही ताराबाई, कलावती, मीणा कुशवाहा, पूजा, रामचारी, शारदा, शीला मेवाड़ा और रज्जो बाई जैसी दर्जनी महिलाओं का कहना है कि गांव में नया बोर किया जाए और नल-जल योजना के जरिए पानी की सप्लाई शुरू की जाए। महिलाओं का ने अंतिम चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर बोरिंग मशीन गांव में काम शुरू नहीं करती, तो वे कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगी और इस बार चक्काजाम बढ़ा होगा।

वही पुराना रटा-रटाया जवाब

ग्रामीणों का कहना है कि जब इस समस्या को लेकर विभाग के ईडई प्रवीण सक्सेना से बात की जाती है तो वही पुराना तकनीकी बहाना बना दिया जा रहा है। वे हर बात यही कहते हैं कि सर्वे चल रहा है, प्राथमिकता के आधार पर काम होगा और अग्री टैंकर भेजे जा रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि भीषण गर्मी शुरू हुए एक महीना बीत गया, तब यह प्राथमिकता कहाँ थी।

सीधा आरोप है कि विभाग के बड़े अधिकारी और मैकेनिकल विंग जानबूझकर देरी कर रहे हैं। महिलाएं पृष्ठ रही हैं कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे या गांव में बीमारी फैलने का इंतजार कर रहा है।

पेयजल जांच सुस्ती: 4 दिन में पूरा करना लक्ष्य, अभी स्कूलों में 25 और आंगनबाड़ियों में 31 फीसदी काम

सीहोर। गर्मी के मौसम में बच्चों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पीएचई विभाग स्कूलों और आंगनबाड़ियों में पानी की गुणवत्ता की जांच कर रहा है। जिले में 1467 स्कूलों और 703 आंगनबाड़ियों में यह काम 30 अप्रैल तक पूरा किया जाना है, लेकिन पांच दिन में यह पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है। अभी तक 25 फीसदी स्कूलों और 31 फीसदी आंगनबाड़ियों में पानी की टेस्टिंग हो सकी है।

ऐसे में 4 दिन में जांच पूरी करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। गर्मी के दिनों में जल स्तर नीचे जाने से पानी काफी दूषित मिलने लगता है। इसके लिए स्कूलों और आंगनबाड़ियों में इसकी जांच की जा रही है। अब तक जिन जगहों पर परीक्षण हुआ है, वहां पानी की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई है।

महिला समूहों को जिम्मेदारी

पानी की जांच के लिए हर गांव में 5 महिलाओं का समूह तैयार किया गया है। इन महिलाओं को प्रशिक्षण देकर फील्ड टेस्ट किट के जरिए पानी की जांच का जिम्मा दिया गया है। यह महिलाएं पानी की जांच कर रिपोर्ट दे रही हैं।

नल-जल ऑपरेटर भी हो रहे प्रशिक्षित

जिले में नल-जल योजनाओं से जुड़े 54 ऑपरेटरों को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिनमें से 46 को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

कैसे होती है फ़ील्ड टेस्ट किट से जांच

फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के जरिए मौके पर ही पानी की बेसिक क्वालिटी चेक की जाती है। इसमें आमतौर पर ये पैरामीटर जांचे जाते हैं पीएच स्तर: इसमें पानी की अम्लीय, क्षारीय प्रकृति को देखा जाता है। इसमें क्लोरीन की मात्रा, आयरण, फ्लोराइड, नाइट्रेट और मटमैलेपन का स्तर की जांच की जाती है। यह किट त्वरित परिणाम देती है, जिससे उसी समय पता चल जाता है कि पानी पीने योग्य है या नहीं।

बड़ा सवाल: 5 दिन में बाकी 70 फीसदी से ज्यादा जांच कैसे पूरी होगी

जल गंगा संवर्धन अभियान में यह काम होगा है। इस काम को 30 अप्रैल तक पूरा करना है लेकिन समय बहुत कम है और अभी तक जांचें भी बेहद कम हुई हैं। ऐसे में समय सीमा में काम करना चुनौतीपूर्ण हो रहा है। इस संख्य में पीएचई के सहायक रजंत्री अजय वर्मा ने बताया कि सभी जगह से जांच रिपोर्ट मंगाई जा रही है।

दूषित पानी से कौन सी बीमारियों का रहता है खतरा

यदि स्कूलों और आंगनबाड़ियों में दूषित पानी बच्चों को पिलाया जाता है तो उन्हें कई बीमारियों का खतरा रहता है। खास बात यह है कि बच्चों पर दूषित पानी का असर भी अधिक रहता है। दूषित पानी से डायरिया, टायफाइड, फ्लोरोसिस जैसी बीमारियों का खतरा रहता है।

44 डिग्री गर्मी के बाद तेज आंधी और बारिश

सीहोर। मंगलवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। दोपहर तक जहां भीषण गर्मी और लू का प्रकोप था, वहीं महज 15 मिनट के भीतर तेज आंधी और रिमझिम बारिश ने लोगों को राहत दे दी।

इस बदलाव के साथ तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

दोपहर करीब 3 बजे तक जिले में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज धूप और लू के चलते सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोग घरों में दुबकने को मजबूर दिखे।

अचानक छापे काले बादल, चली धूल भरी आंधी : करीब सवा तीन बजे के आसपास मौसम ने अचानक करवट ले ली और आसमान में काले बादल छा गए। इसके बाद तेज धूलभरी आंधी शुरू हो गई। हवा की रफ्तार इतनी तेज थी



कि कई जगह पेड़ों की टहनियां टूट गईं और दृश्यता भी काफी कम हो गई। आंधी के बाद जिले के कुछ ग्रामीण इलाकों में रिमझिम बारिश शुरू हो गई। इस बदलाव से भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों ने राहत की सांस ली और शाम का मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, यह बदलाव स्थानीय मौसमीय सिस्टम के सक्रिय होने के कारण हुआ है। विभाग ने अनुमान जताया है कि शाम के समय तेज ठंडी हवाएं चलने से मौसम फिलहाल सुहावना बना रह सकता है।

वेयर हाउस ने गोहूँ लेने से किया इनकार: पांच दिन से खड़ी 30 ट्रॉलियां लौटीं, आक्रोशित किसानों ने किया चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ►► सीहोर

ढाबला केलबाड़ी क्षेत्र में शनिवार गोहूँ की तुलाई से इनकार किए जाने के बाद किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। वेयरहाउस प्रबंधन द्वारा फसल लेने से मना करने पर किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। पिछले पांच दिनों से लगभग 30 ट्रॉली गोहूँ तुलाई के इंतजार में खड़ी थीं, लेकिन नंबर आने पर उन्हें लौटा दिया गया।

किसानों ने आरोप लगाया कि वेयरहाउस की क्षमता पहले से ही पूरी होने के बावजूद स्लॉट बुकिंग बंद नहीं की गई। इसके कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। किसान नरेश ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली का प्रतिदिन का किराया लगभग एक हजार रुपए है, जिससे कई किसानों को हजारों रुपए अतिरिक्त खर्च करने पड़े। धूप में कई दिनों तक भूखे-प्यासे इंतजार करने से उनकी परेशानी और बढ़ गई।

आक्रोशित किसानों ने चक्काजाम किया : इस घटना से नाराज किसानों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ और लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी संदीप सिंह मीणा



और नायब तहसीलदार अविनाश सोनानिया ने किसानों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। खाद्य विभाग के आकाश चंदेल ने किसानों को तकीपुर में तुलाई कराने का सुझाव दिया, लेकिन वहां पहले से अव्यवस्था होने के कारण किसानों ने इसे अस्वीकार कर दिया। बाद में प्रशासन ने चैनपुरा स्थित एमएस स्टोर मार्ट वेयरहाउस में तुलाई का प्रस्ताव रखा। शुरुआत में विरोध के बावजूद, अधिकारियों की समझाइश के बाद किसान अंततः वहां तुलाई कराने के लिए सहमत हो गए।

गोवंश वध: गाय को रस्सी से बांधकर काटा पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा,तीन फरार

सीहोर। कोतवाली थाना क्षेत्र के जमशेद नगर हड्डी मिल के पास गोवंश वध का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार रात छापेमारी कर एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि तीन अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिबंध अधिनियम की गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

पावर हाउस से हांककर लाए गाय हड्डी मिल पर था इंतजाम

पुलिस एफआईआर के अनुसार 26 अप्रैल की रात कोतवाली पुलिस गश्त पर थी। मुखबिर से सूचना मिली कि जमशेद नगर हड्डी मिल के पास कुछ लोग गाय के पैर-मुंह बांधकर धारदार हथियारों से वध कर रहे हैं। पुलिस ने पंचों को साथ लेकर दबिश दी। मौके पर 3-4 लोग गाय को काटते मिले। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे। घेराबंदी कर जुनैद निवासी इमलीखेड़ा, श्यामपुर को पकड़ लिया गया। बाकी तीन आरोपी सादिक, साबिर और रियान, सभी निवासी कस्बा सीहोर, फरार हो गए।

क्रूरता की हदें पार: खाल उतारी, तीन पैर काटकर दीवार से टिकाए

पुलिस के सामने का दृश्य विचलित करने वाला था। गाय का मुंह रस्सी से बंधा था, खाल पूरी उतार दी गई थी और शरीर के तीन पैर काटकर दीवार से टिकाए गए थे। मौके से खून से सनी दो बड़ी लोहे की छुरियां, एक कुल्हाड़ी और रस्सी के टुकड़े बरामद किए गए।



पूछताछ में खुलासा: गोमांस बेचने की थी साजिश

जुनैद ने पूछताछ में बताया कि वे गाय को पावर हाउस चौराहे से घेरकर लाए थे। सादिक मोटरसाइकिल से और बाकी पैदल गाय को हांककर हड्डी मिल तक ले गए। जुनैद को पहले से ही छुरियां और कुल्हाड़ी लेकर वहां पहुंचने के निर्देश दिए गए थे। आरोपियों का मकसद गोवंश की चोरी, वध और गोमांस का विक्रय करना था।

पुलिस ने की वीडियोग्राफी, फरार आरोपियों की तलाश जारी:

पुलिस ने मौके से मिले हथियार और साक्ष्य सीलबंद कर जब्त किए। घटना की वीडियोग्राफी भी कराई गई। नगरपालिका की जेसीबी से मृत गोवंश और अंगों को पशु चिकित्सालय पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, जिसके बाद नियमानुसार दफनाया गया।

आरोपियों पर ये धाराएं : पुलिस ने बीएनएस धारा 303(2), पशु क्रूरता अधिनियम धारा 11(घ), (च), (ड) और मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिबंध अधिनियम धारा 4 व 9 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। फरार सादिक, साबिर और रियान की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

हरिभूमि न्यूज ►► सीहोर

नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 में शनिवार को सीसी रोड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। लगभग 8 लाख रुपये की लागत से बनने वाली यह सड़क प्रवीण राठौर के घर से लेकर बबलू सेन के घर तक निर्मित की जाएगी। लंबे समय से इस मार्ग की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसके पूर्ण होने पर क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में बड़ी सुविधा प्राप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक विधि-विधान से पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि नगर के समग्र विकास के लिए सड़क, पानी, स्वच्छता एवं अन्य



बुनियादी सुविधाओं का विस्तार लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्ड क्रमांक 13 में यह सड़क निर्माण कार्य लंबे समय से लंबित था, जिसे अब प्राथमिकता के साथ

शुरू किया गया है। सड़क बनने के बाद क्षेत्र में धूल-मिट्टी और जलभराव की समस्या से भी निजात मिलेगी, जिससे नागरिकों का जीवन स्तर बेहतर होगा। उन्होंने आगे कहा कि नगर

शुरू किया गया है। सड़क बनने के बाद क्षेत्र में धूल-मिट्टी और जलभराव की समस्या से भी निजात मिलेगी, जिससे नागरिकों का जीवन स्तर बेहतर होगा। उन्होंने आगे कहा कि नगर

खबर संक्षेप

लखन लाल मालवीय
 इछावर विस प्रभारी नियुक्त



सीहोर।
 बहुजन
 समाज
 पार्टी की
 संगठन
 समीक्षा
 बैठक में
 बहुजन
 समाज
 पार्टी ने

कुछ नए पदाधिकारी को जिम्मेदारी
 सौंपी है। संगठन में बदलाव करते
 हुए लखनलाल मालवीय
 विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया
 है। छावर में गेंदालाल सूर्यवंशी को
 विधानसभा प्रभारी एवं सीहोर
 विधानसभा में बंटी जाटव को
 विधानसभा प्रभारी बनाया गया है।
 संगठन समीक्षा के दौरान ईजीनियर
 रमाकांत पिप्पल प्रदेश अध्यक्ष
 बहुजन समाज पार्टी ने स्पष्ट कहा
 कि सक्रिय कार्यकर्ताओं की
 जिम्मेदारी बढ़ाई जाएगी एवं
 निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को उनकी
 क्षमता के अनुसार कार्य दिया
 जाएगा। जिससे संगठन को
 मजबूती मिल सके पदाधिकारी की
 नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं में
 उत्साह का माहौल है। बसपा पार्टी
 पदाधिकारी द्वारा पार्टी के बरिष्ठ
 पदाधिकारियों का नियुक्ति पर
 आभार व्यक्त किया है। आभार
 व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से
 सरोज मालवी महेश सूर्यवंशी धीरव
 अहिरवार, थान सिंह अहिरवार
 रामस्वरूप भारती वीरू जाटव
 अर्जुन पहनवाल अर्जुन गोयल
 धर्मेन्द्र बड़ोदिया के नाम प्रमुख है।

खुले में पड़ा यह कचरा बीमारियों को भी दे रहा है आमंत्रण, कचरा हटाने के प्रयास नहीं किए जा रहे

खुशियों के बाद सड़कों पर गंदगी का पहाड़: मैरिज गार्डन की लापरवाही से मवेशियों की जान पर संकट

झूठन और प्लास्टिक कचरे से पटी सड़कें,
 बदबू से लोग परेशान, गाय निगल रही
 जहरीला कचरा, प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज़

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का लाभ शहरवासियों को दिया
 नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में इन दिनों शादी-
 विवाह का सीजन पूरे शबाब पर है। एक ओर जहां बैंड-बाजे और
 शहनाइयों के बीच खुशियों का माहौल बना हुआ है, वहीं दूसरी
 ओर इन आयोजनों के बाद सड़कों पर फैल रही गंदगी ने हालात
 बिगाड़ दिए हैं। मैरिज गार्डन संचालकों और आयोजनकर्ताओं
 की लापरवाही के चलते झूठन, पत्तल-दोने और प्लास्टिक
 डिस्पोजल खुलेआम सड़क किनारे फेंके जा रहे हैं, जिससे पूरे
 क्षेत्र में गंदगी का अंबार लग गया है।

नगर के इंदौर मार्ग स्थित नहर चौराहे से लेकर बिजला जोड़
 तक और ग्राम पंचायत छिदगांव मौजी के मुख्य मार्ग पर स्थिति
 बेहद खराब बनी हुई है। जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं, जिनसे
 उठती दुर्गंध के कारण राहगीरों का गुजरना तक मुश्किल हो गया
 है। कई लोग नाक ढककर निकलने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों
 का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी रोजाना इन रास्तों से
 गुजरते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई
 है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि सड़क पर घूमने वाले
 मवेशी इस कचरे में पड़े भोजन के अवशेषों के साथ प्लास्टिक
 और अन्य हानिकारक सामग्री भी निगल रहे हैं। पशु चिकित्सकों
 के अनुसार, प्लास्टिक के सेवन से पशुओं के पेट में संक्रमण,
 आंतों में रुकावट और गंभीर बीमारियां हो जाती हैं, जो कि उनकी



स्थानीय नागरिकों में आक्रोश

स्थानीय नागरिकों में इस समस्या को लेकर गहरा आक्रोश है।
 उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने सख्ती नहीं
 दिखाई, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। लोगों ने
 मांग की है कि मैरिज गार्डन संचालकों और आयोजकों के लिए
 कचरा प्रबंधन के सख्त नियम बनाए जाएं और उनका कड़ाई से
 पालन कराया जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी
 जुर्माना लगाया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराई न
 जाए।

मौत का कारण बनती हैं। क्षेत्र में पहले भी कई मामले में मृत गायों
 के पेट से बड़ी मात्रा में प्लास्टिक निकल चुका है, फिर भी इस
 गंभीर समस्या को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।
 ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात कुछ अलग नहीं हैं। शादी-विवाह के



बाद कचरा निस्तारण की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण
 लोग आसानी से सड़क किनारे ही कचरा फेंक देते हैं। इससे न
 केवल स्वच्छता अभियान की धजियां उड़ रही हैं, बल्कि
 पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर खतरा मंडरा
 रहा है। खुले में पड़ा यह कचरा बीमारियों को भी आमंत्रण दे रहा
 है। इधर, मामले को लेकर जिम्मेदार विभागों ने भी कार्रवाई के
 संकेत दिए हैं। जल संसाधन विभाग के अधिकारी बलदेव बामने
 ने बताया कि नहर किनारे कचरा फेंकने वालों की जानकारी
 जुटाई जा रही है और इस संबंध में थाना प्रभारी को आवेदन देकर
 कार्रवाई की मांग की जाएगी।

नगर पालिका के सीएमओ राम प्रसाद भावरे ने कहा कि
 सड़क पर कचरा डालने वालों की पहचान कर नोटिस जारी किए
 जाएंगे और जुर्माना वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी के बाद बदला मौसम का मिजाज, 20 मिनट की आंधी-बारिश ने दी राहत, होर्डिंग उड़े

हरिभूमि न्यूज़

शनिवार को भैरूदा तहसील में मौसम ने अचानक
 करवट बदलते हुए लोगों को भीषण गर्मी से राहत
 दी। दिनभर 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंची तपिश
 और लू के थपेड़ों से परेशान जनजीवन शाम
 होते-होते सामान्य होने लगा, जब तेज धूलभरी
 आंधी के साथ हल्की बारिश ने पूरे माहौल को
 ठंडा कर दिया। करीब 15 से 20 मिनट तक चली
 इस तेज मौसमीय गतिविधि ने जहां गर्मी से राहत
 पहुंचाई, वहीं तेज हवाओं के कारण कई जगह
 नुकसान भी हुआ।

दोपहर करीब 3:30 बजे तक हालात बेहद गर्म
 और असहनीय बने हुए थे। सड़कों पर सन्नाटा
 पसरा था और लोग लू से बचने के लिए घरों में
 दुबके हुए थे। बाजारों में भी सामान्य दिनों की
 तुलना में काफी कम भीड़ नजर आ रही थी। इसी
 दौरान अचानक मौसम ने रुख बदला और
 आसमान में काले बादल छा गए। कुछ ही देर में
 तेज धूलभरी आंधी चलने लगी, जिससे पूरा क्षेत्र
 धूल के गुबार से भर गया।

आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई दुकानों
 के सामने लगे होर्डिंग, पोस्टर और टीन शेड उड़
 गए। कुछ स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटकर
 सड़कों पर गिर पड़ीं, जिससे आवागमन प्रभावित
 हुआ। अचानक आई इस आंधी से लोग घबराकर
 सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। धूल
 के कारण कुछ समय के लिए सड़कों पर दृश्यता
 भी कम हो गई, जिससे वाहन चालकों को
 परेशानी का सामना करना पड़ा और यातायात
 धीमा पड़ गया।आंधी के बाद शुरू हुई बूंदबांदी ने



मौसम को और अधिक सुहावना
 बना दिया। धीरे-धीरे यह
 हल्की बारिश रिमझिम में
 बदल गई, जिससे
 भैरूदा नगर सहित
 आसपास के ग्रामीण
 इलाकों में ठंडक का
 अहसास हुआ।
 बारिश के साथ चली
 उड़ी हवाओं ने
 तापमान में गिरावट
 दर्ज कराई और दिनभर
 की तपिश से जूझ रहे लोगों
 को राहत पहुंचाई। शाम करीब
 5 बजे तक मौसम पूरी तरह बदल
 चुका था और वातावरण में ताजगी महसूस की जा
 रही थी। लोग घरों से बाहर निकलकर इस

सुहावने मौसम का आनंद लेते
 नजर आए।दिनभर की उमस
 और गर्मी के बाद आई इस
 राहत ने लोगों के चेहरों
 पर मुस्कान लौटा दी।
 हालांकि तेज
 आंधी के चलते
 व्यापारियों को कुछ
 नुकसान उठाना
 पड़ा, खासकर
 जिनकी दुकानों के
 बाहर होर्डिंग और
 अस्थायी शेड लगे थे।
 बावजूद इसके, अधिकांश
 लोगों ने इस मौसम परिवर्तन को
 चुका था और वातावरण में ताजगी महसूस की जा
 रही थी। लोग घरों से बाहर निकलकर इस



राहत भरा बताया और गर्मी से मिली इस अस्थायी
 राहत का स्वागत किया।

बरगी हादसे के बाद प्रशासन सख्त: तहसील क्षेत्र के नर्मदा घाटों पर किया निरीक्षण, बिना दस्तावेज नाव संचालन पर लगाई रोक

लाइफ जैकेट, क्षमता और वैध कागजों की अनदेखी अब नहीं होगी बर्दाश्त

भैरूदा। जबलपुर के बरगी बांध में हुए दर्दनाक
 हादसे के बाद आखिरकार प्रशासन ने सख्त रुख
 अपना लिया है। संभावित हादसों की पुनरावृत्ति
 रोकने के लिए भैरूदा तहसील सहित नर्मदा
 किनारे के प्रमुख नाव घाटों पर शनिवार को
 व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया गया।
 एसडीएम सुधीर कुशवाह, एसडीओपी रोशन
 कुमार जैन और थाना प्रभारी घनश्याम दांगी के
 नेतृत्व में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त
 टीम ने नीलकंठ, सोलकंठ सहित अन्य घाटों का
 मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। निरीक्षण के
 दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कड़ी
 नाराजगी जताते हुए अधिकारियों ने साफ संकेत
 दिए कि अब किसी भी प्रकार की लापरवाही
 बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान प्रशासन ने तत्काल प्रभाव
 से प्रमुख नाव घाटों का संचालन अस्थायी रूप से
 बंद करा दिया। अधिकारियों ने नाव ठेकेदारों को
 निर्देशित किया कि जब तक वे वैध लाइसेंस,
 रजिस्ट्रेशन, फिटनेस और बीमा सहित सभी
 आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करते, तब तक
 संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन
 का यह कदम सीधे तौर पर बरगी हादसे से सबक
 लेते हुए उठाया गया है, जिससे भविष्य में
 जनहानि की किसी भी आशंका को रोका जा
 सके।

एसडीएम सुधीर कुशवाह ने स्पष्ट शब्दों में
 कहा कि नावों में ओवरलोडिंग, बिना लाइफ
 जैकेट यात्रियों को बैठाना और बिना अनुमति
 संचालन जैसे नियम उल्लंघन अब पूरी तरह
 प्रतिबंधित रहेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों



की अनदेखी करने वाले ठेकेदारों के लाइसेंस
 तत्काल निरस्त किए जाएंगे। साथ ही सभी घाटों
 पर लाइफगार्ड और प्रशिक्षित गोताखोरों की
 अनिवार्य तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए
 हैं। उन्होंने ने यह भी निर्देशित किया कि प्रत्येक
 नाव में पर्याप्त संख्या में लाइफ जैकेट उपलब्ध हों
 और यात्रियों को उनका उपयोग अनिवार्य रूप से
 कराया जाए। घाटों पर स्पष्ट सूचना पट्ट लगाए
 जाने के भी निर्देश दिए गए हैं, जिनमें नाव की
 क्षमता, किराया, सुरक्षा नियम और आपातकालीन
 संपर्क नंबर अंकित हों, ताकि आमजन भी सतर्क
 रह सके और अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक बनें।
 निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नावों की
 तकनीकी स्थिति की नियमित जांच पर भी जोर
 दिया। निर्देश दिए गए कि केवल अनुभवी और
 प्रशिक्षित नाविक ही नाव संचालन करें। घाटों पर
 चेतावनी संकेतक, सुरक्षा बैरिकेडिंग और
 आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा
 गया है, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना की
 आशंका को न्यूनतम किया जा सके।
 कार्रवाई का दायरा केवल भैरूदा तक सीमित

नहीं है। नर्मदा किनारे के अन्य क्षेत्रों सीहोर,
 सिवनी मालवा और हरदा जिले के प्रमुख
 घाटों—पर भी प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। कई
 स्थानों पर नाव संचालन पर अस्थायी रोक
 लगाकर ठेकेदारों से दस्तावेज प्रस्तुत करने के
 निर्देश दिए गए हैं।

सिवनी मालवा क्षेत्र में तो फिलहाल नावों के
 आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया गया
 है।गौरतलब है कि बरगी हादसे के बाद प्रदेशभर
 में नाव संचालन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल
 खड़े हो रहे थे। कई घाटों पर बिना लाइफ
 जैकेट, क्षमता से अधिक सवारियां और
 अनुभवहीन चालकों के भरोसे यात्रियों की जान
 जोखिम में डाली जा रही थी। ऐसे में प्रशासन
 की यह कार्रवाई न केवल जरूरी बल्कि समय की
 मांग भी मानी जा रही है।

निरीक्षण के दौरान स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि
 और पटवारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सभी
 संबंधितों को सख्त हिदायत दी कि सुरक्षा मानकों
 का पालन सुनिश्चित करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई
 के लिए तैयार रहें।

श्रद्धा भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ शिवमय हुआ क्षेत्र

भव्य कलश यात्रा के साथ आरंभ हुआ शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव

हरिभूमि न्यूज़

जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम
 महुआखेड़ी में सात दिवसीय विशाल एकादश
 कुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ शिव परिवार प्राण-
 प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन ग्राम
 महुआखेड़ी तकीपुर में शनिवार को पूर्ण श्रद्धा,
 भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ
 आरंभ हो गया। पिछले कई दिनों से महायज्ञ
 और महोत्सव की तैयारियां से आसपास के
 दलनों गांवों को शिवमय बना दिया। अब
 लगातार आठ मई तक यहां पर नियमित रूप से
 शाम को भंडारे के अलावा रात्रि को रामलीला
 का प्रतिदिन आयोजन किया जाएगा। यज्ञ
 संचालक पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे के मार्गदर्शन
 में सुबह 51 से अधिक जोड़ों के साथ हजारों
 की संख्या में ग्रामीणों ने आस्था और उत्साह के
 साथ भगवान राम मंदिर से कलश यात्रा
 निकाली जो ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से
 होते हुए शिव मंदिर पहुंची। इस मौके पर बड़ी
 संख्या में महिलाओं ने कलश धारण कर
 भगवान के जयकारें लगाए। कलश यात्रा में
 समस्त ग्रामवासियों के अलावा भगवान सिंह
 परमार, देवनारायण परमार, दशरथ परमार,
 महेन्द्र परमार, विमल परमार आदि शामिल थे।
 रविवार को अग्नि स्थापना, चैतारों का



आह्वान के अलावा नित्य पूजन, अभिषेक
 आदि दिव्य अनुष्ठान किए जाएंगे।

विधि-विधान से पूजा-अर्चना

वैदिक आचार्यों द्वारा विधि-विधान से
 पूजा-अर्चना के साथ हुई पूरा वातावरण हर-
 हर महादेव और जय भोले के जयघोष से
 गुंजायमान हो उठा। शंखध्वनि और वैदिक
 ऋचाओं की अनुगूंज ने उपस्थित जनसमूह
 को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। श्रद्धालुओं
 ने हाथ जोड़कर भगवान शिव और उनके
 परिवार से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की
 कामना की।

हर रोज होगा भंडारे का आयोजन

महोत्सव के मुख्य यजमान परमार समाज
 चल समारोह के पूर्व अध्यक्ष सुरेश गम्बर
 परमार ने बताया कि सभी ग्रामीणजनों के
 सहयोग से पंडित श्री कटारे बाबा के मार्गदर्शन
 में एकजुटता के साथ ग्राम महुआखेड़ी में
 भव्य-दिव्य एकादश कुण्डिय श्री रुद्र महायज्ञ
 शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का
 आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन रात्रि को
 रामलीला के कलाकारों के द्वारा भगवान की
 लीलाओं का मंचन किया जाएगा। उन्होंने ग्राम

सहित आस-पास के सभी क्षेत्रवासियों से
 महोत्सव में शामिल होने की अपील की।
 उन्होंने बताया कि महोत्सव के यज्ञाचार्य पंडित
 दीपक शास्त्री और संत गोपाल आदि का
 ग्रामवासियों ने स्वागत सम्मान किया। रात्रि
 को भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें
 श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। आयोजन
 समिति ने अनुशासन बनाए रखने के लिए
 महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के बैठने की
 पृथक व्यवस्था की थी।

दूर-दराज से आए साधु-संतों और ग्रामीणों
 ने एक साथ पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण
 किया। स्वयंसेवकों की सक्रियता के कारण
 इतनी भारी भीड़ के बावजूद व्यवस्था सुचारू
 बनी रही। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से
 भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यहां पर
 महिलाओं में भजन संध्या ने लोगों को भक्तिरस
 में सराबोर रखा।

वहीं यहां पर आए संतों ने अपने प्रवचनों में
 सनातन धर्म और सामाजिक समस्याओं पर
 बल देते हुए कहा कि ऐसे अनुष्ठान समाज में
 भाईचारे और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं।
 श्रद्धालुओं ने साझा किया कि यज्ञ मंडप की
 परिक्रमा और मंत्रों के श्रवण से उन्हें अपूर्व
 आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा की
 अनुभूति हुई है।

शर्मनाक वारदात: सगाई टूटने का बदला बना क्रूर हिंसा का कारण

हरिभूमि न्यूज़

सीहोर

जिले से मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने
 आई है, जहां सगाई टूटने की रंजिश ने एक परिवार को
 बर्बरता की हद तक पहुंचा दिया। सिद्धीकगंज थाना क्षेत्र
 के टीबूपुरा गांव में एक दंपती के साथ अपहरण, मारपीट
 और सार्वजनिक अपमान की घटना ने पूरे इलाके में
 सनसनी फैला दी है।

जानकारी के अनुसार, हिम्मत सिंह बंजारा अपनी
 पत्नी के साथ सोनकच्छ तहसील के भटकुंड गांव में
 एक अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। इसी
 दौरान रास्ते में टीबूपुरा निवासी बहादुर सिंह ने अपने
 साथियों के साथ उनको बाइक रोक ली। इसके बाद दोनों
 के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उन्हें जबरन एक
 फोर व्हीलर में बैठाकर टीबूपुरा गांव ले जाया गया।

गांव में शूजों की माला पहनाकर अपमान किया

गांव पहुंचने के बाद आरोपियों ने दंपती को शूजों-
 चप्पलों की माला पहनाकर सार्वजनिक रूप से
 अपमानित किया। इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया
 गया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो
 रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में भारी
 आक्रोश देखने को मिल रहा है।

नाबालिग बेटी की सगाई टूटना बना वजह

बताया जा रहा है कि हिम्मत सिंह ने अपनी
 नाबालिग बेटी की सगाई बचपन में बहादुर सिंह के बेटे
 से तय की थी। कुछ समय पहले परिवार उज्जैन जिले के
 शंकरपुर गांव में बस गया और उन्होंने यह सगाई तोड़
 दी। इसी बात से नाराज होकर लड़के के परिवार ने इस



पूरी घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही सिद्धीकगंज थाना पुलिस
 मौके पर पहुंची और दंपती को आरोपियों के चंगुल से
 मुक्त कराया। एसडीओपी दामोदर गुप्ता के अनुसार,
 मामले में मुख्य आरोपी बहादुर सिंह सहित एक अन्य
 व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों
 की तलाश जारी है।

ग्राम निवानिया में यादव अहीर समाज का ऐतिहासिक सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

यादव समाज के प्रदेश स्तरीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में 125 जोड़े बंधन में बंधे



गुजरात के जोड़े ने भी लिए फेरे, मध्यप्रदेश शासन के मंत्री ने भी दिया वर-वधुओं को आशीर्वाद



यादव (प्रहीर) समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ►► ब्यावरा

ग्राम निवानिया में यादव अहीर समाज का 36 वाँ प्रदेश स्तरीय सामूहिक विवाह सम्मेलन बुधवार-गुरुवार रात्रि में सम्पन्न हुआ। जिसमें समाज के 125 वर-वधू के जोड़े सामूहिक विवाह सम्मेलन में पवित्र बंधन में बंधकर अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लेकर एक-दुजे का हाथ थामकर सात-पांच वैदिक वचनों के बीच जीवन भर साथ रहने का संकल्प लिया। सम्मेलन में शाम होते ही दूल्हा-दुल्हनों का आगमन शुरू हो गया। जिसमें सर्वप्रथम गोविंद यादव ग्राम राजपुरा जिला गुना ने सम्मेलन में आकर आयोजन समिति द्वारा रखा गया पुरस्कार प्राप्त किया। एक साथ इतने बड़े स्तर पर आयोजित इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज की एकजुटता और संगठन शक्ति का प्रभावशाली उदाहरण

देखने का मिला है। जिससे समाज में होने वाले फिजूल खर्ची पर रोक लगाने की कोषिस की गई। जहा पर गुजरात के कल्याणपुर से एक जोड़े ने आकर सामूहिक विवाह सम्मेलन में शादी की। उन्होंने कहा कि यहा पर अनावश्यक दहेज की मांग नहीं की जाती और समाज के सभी दूल्हों के साथ शादी करने का आनंद ही कुछ और है।

आकर्षक ढंक से सजाया सम्मेलन स्थल, स्वर्ण उतार दिया धरती पर

ग्राम निवानिया में हुए इस आयोजन को समाज के कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन स्थल का इस प्रकार से सजाया कि मानो स्वर्ग को धरती पर ला दिया, जहा की भव्यता के बीच समाज के 125 नवदंपति जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस आयोजन में हर समाज के व्यक्ति ने पहुंचकर अपना वर-वधुओं का आशीं वचन दिया। सभी इस आयोजन की

तारीफ करते हुए कहा कि यह आयोजन आ स्वर्ग से भी कम नहीं लग रहा। जहा उत्साह का माहौल देखने को मिला है। इस आयोजन में हजारों की संख्या में समाजजन, परिजन और अतिथि शामिल हुए। दूल्हा-दूल्हन पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे हुए जब सम्मेलन स्थल पर बनाई गए वर-वधु एंट्री आकर्षण का केन्द्र बनी हुई थी। जहा पर वर-वधुओं के अलावा उनके परिजनों ने भी सलफी ली। यह आयोजन समाज के लोगों द्वारा घर की जाने वाली शादियों में भी कई गुणा अधिक उत्साह में देखने को मिला।

राज्यमंत्री नारायणसिंह पंवार, पूर्व कैबिनेट मंत्री सचिन यादव हुए शामिल

यादव समाज के विपाल, भव्य इतिहासिक इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री नारायणसिंह पंवार और कांग्रेस के पूर्व कैबिनेट मंत्री वर्तमान विधायक सचिन यादव कसरतत भी सामूहिक विवाह सम्मेलन में रात्रि करीब 11 बजे पहुंचकर वर-वधुओं को आशीर्वाद दिए। वहीं आयोजन समिति ने भी मंत्री श्री पंवार और यादव का पीतांबर पहनाकर स्वागत किया। वहीं पूर्व राज्यमंत्री बदीलाल यादव, अखिल भारतीय यादव महासभा प्रदेशध्यक्ष देवीसिंह यादव गंजबासोदा, युवा अध्यक्ष सचिन यादव हरदा, दांगी समाज से पूर्व विधायक रामचंद्र दांगी, गुर्जर समाज से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जसवंत गुर्जर, डिप्टी कलेक्टर समाजोत सिंह यादव, ओबीसी महासभा प्रदेश अध्यक्ष बनेन्द्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रसिंह सोधिया, यादव महासभा जिलाध्यक्ष सुरेशचंद्र यादव, समाज के वरिष्ठ व्यवसाय लक्ष्मीनारायण यादव सहित अन्य अतिथियों का यादव समाज जिलाध्यक्ष एवं राजगढ़ विधायक अमरसिंह यादव, अखिल भारतीय यादव महासभा प्रदेश संगठन मंत्री रामगोपाल यादव सहित समाज के अन्य सदस्यों ने पीतांबर पहनाकर स्वागत किया।

मॉनिटरिंग में लगी टीम

कूनों नेशनल पार्क से भटककर राजगढ़ पहुंचा नमीबियाई चीता



राजगढ़। देश में चीतों की संख्या बढ़ाने साल 2022 में साउथ अफ्रीका से कुछ नमीबियाई चीतों को श्योपुर जिले के कूनों नेशनल पार्क में छोड़ा गया था। बीते पांच सालों में इन चीतों की संख्या बढ़कर 55 से अधिक हो चुकी है। इन्हीं 55 चीतों में से केपी-3 नाम का एक चीता मार्च माह में कूना से भटककर राजस्थान पहुंच गया था। यही केपी-3 नर चीता राजस्थान के मनोहरथाना वन्य क्षेत्रों से होते हुए शुक्रवार को राजगढ़ जिले में पहुंच गया। शुक्रवार सुबह कालीपीठ क्षेत्र में इस चीते की मुवमेंट ट्रैकरिंग ग्रामीणों में दहशत मच गई। हालांकि, कूना से निकले इस चीते के साथ पार्क की एक विशेष टीम चीते के शरीर पर लगी लोकेशन टैकिंग डिवाइस के जरिए प्रत्येक मुवमेंट पर नजर बनाए हुए है। केपी-3 नर चीते की जिले में मुवमेंट की सूचना मिलने पर स्थानीय वन विभाग भी अलर्ट मोड पर आया और एक टीम बनाकर चीते पर नजर बनाए रखने पाबंद किया गया है। राजगढ़ रेंजर सहित वनपाल, वनरक्षकों को टीम चीते की गतिविधियों को ट्रैक कर रही है।

दहशत में आए कालीपीठ क्षेत्र के ग्रामीण

शुक्रवार को जैसे ही यह नर चीता कालीपीठ क्षेत्र में नजर आया तो कई लोगों ने उसकी तरवरी और वीडियो अपने मोबाइल में रिकार्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। वनविभाग को सूचना मिलने पर रेंजर शिवकुमार चेहान, वनपाल राजू गुर्जर, ओमप्रकाश दांगी, अर्जुन

वाल्मीकी, रंजीत गुर्जर सहित अन्य कर्मचारियों की विशेष टीम बनाकर इस चीते और उसकी मुवमेंट को फॉलो करने लगाया गया।

शांत स्वभाव का है यह चीता

केपी-3 नर चीते के निगरानी और मॉनिटरिंग में लगी कूनों पार्क की टीम ने बताया कि यह चीता अन्य चीतों की अपेक्षा शांत स्वभाव का है। मार्च में राजस्थान पहुंचने के बाद से अब तक इसने किसी इंसान को टारगेट नहीं किया है। गुरुवार को भी चीते ने मनोहरथाना के आसपास क्षेत्र में एक बकरी का शिकार किया था। इसके पहले भी केपी-3 पर अन्य वन्य प्राणियों को अपना निशाना बनाया है।

इरने की आवश्यकता नहीं

वनविभाग के अधिकारियों ने स्थानीय ग्रामीणों से अपील की है कि चीते की मुवमेंट से डर या दहशत में नहीं आएं। अब तब कि रिकार्ड के अनुसार यह चीता मानव बस्तियों में नहीं आया है। जीपीएस टैकिंग सिस्टम में चीते की प्रत्येक मुवमेंट सिर्फ वन्य क्षेत्र में दर्ज की गई।

झालावाड़ और राजगढ़ एसपी मौके पर पहुंचे

जिले के कालीपीठ क्षेत्र में जैसे ही चीते के होने की जानकारी प्रशासन विभाग को लगी तो झालावाड़ एसपी अमित कुमार और राजगढ़ एसपी अमित तौलानी चीतों की मुवमेंट देखने के लिए वन क्षेत्र में पहुंचे।

करंट ने छिनी जिंदगी

स्टेशन ऑपरेटर की मौत से बिजली विभाग पर लापरवाही के आरोप

हरिभूमि न्यूज ►► झाड़ला/कुरावर

झाड़ला विद्युत वितरण केंद्र में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। महज 22 वर्षीय स्टेशन ऑपरेटर राजेश दांगी की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, झाड़ला निवासी राजेश दांगी पिछले दो वर्षों से विद्युत मंडल में राजेश वसूली का कार्य कर रहे थे और हाल ही में उनका चयन स्टेशन ऑपरेटर के पद पर हुआ था। बीती रात तेज आंधी और हवा के कारण कई जगह बिजली लाइनों में फाल्ट आ गया था, जिसे सुधारने के लिए उन्हें सुबह 8 बजे ड्यूटी पर बुलाया गया। सुबह करीब 10 बजे राजेश 11 किलो वोल्ट के फाल्ट को सुधारने के लिए फीडर पर चढ़े ही थे कि अचानक लाइन में करंट दौड़ गया। करंट की चपेट में आते ही वे गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में उन्हें कुरावर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के समय राजेश के पास आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे दस्ताने, हेलमेट और सेफ्टी शूज नहीं थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस लाइन पर काम चल रहा था, वह



अचानक चालू कैसे हो गई? स्थानीय लोगों ने इसे बिजली विभाग की घोर लापरवाही बताया है। वहीं, झाड़ला विद्युत केंद्र पर न तो सुरक्षा गार्ड मौजूद है और न ही सीसीटीवी कैमरे, जिससे जांच भी प्रभावित हो सकती है। इस हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। मृतक के परिजनों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

व्या बोले अधिकारी

घटना के समय एक अन्य कर्मचारी भी मौजूद था और पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि समय राजेश के पास आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे दस्ताने, हेलमेट और सेफ्टी शूज नहीं थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस लाइन पर काम चल रहा था, वह

चंदन मस्करे,
कनिष्ठ अभियंता कुरावर

तीन चौकीदार फिर भी खोयरी महादेव मंदिर में चोर ने वारदात को अंजाम दिया

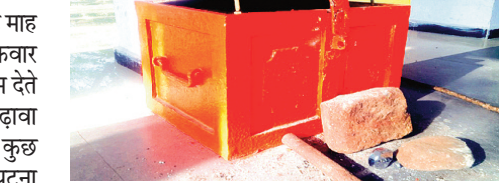
भवतों की चढ़ावा राशि निकालकर भागा

हरिभूमि न्यूज ►► राजगढ़

क्षेत्र के प्रसिद्ध बैजनाथ खोयरी महादेव मंदिर में डेढ़ माह में चोरी की दूसरी घटना कारित हुई है। गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात्रि अज्ञात चोर ने वारदात को अंजाम देते हुए दोनों दानपेटियों का ताला तोड़कर भक्तों की चढ़ावा राशि निकाल ली और भाग निकला। सुबह जब कुछ श्रद्धालु मंदिर पहुंचे तो उन्होंने मंदिर के पुजारी को घटना की इत्ला दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्यवाही की। यहां गंभीर बात यह है कि खोयरी महादेव मंदिर की सुरक्षा के लिए प्रशासन एवं नगर पालिका द्वारा तीन चौकीदार नियुक्त कर रखे हैं लेकिन अनदेखी के चलते तीनों ही चौकीदार दिन के समय ड्यूटी करते हैं। इसी का फायदा उठाकर चोर ने वारदात को अंजाम दिया है।

सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

मंदिर के पुजारी पंडित उमेश शर्मा ने बताया कि चोर मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी में कैद हो चुका है। चोर ने रात्रि करीब 1.45 बजे मंदिर परिसर में ही रखे लोहे के



पाईप के सहारे दोनों दानपेटियों के ताले तोड़े और पूरी चढ़ावा राशि निकाल ली। सीसीटीवी में दिख रहे चोर ने मुंह पर कोई नकाब नहीं लगा रखा है। ऐसे में पुलिस इसी फुटेज के सहारे चोर की तलाश में लगी हुई है। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व मार्च माह में चोर ने यहां वाददात को अंजाम दिया था हालांकि, कोतवाली पुलिस ने बाद में चोर को पकड़ लिया था।

चौकीदार दिन में मंदिर में रहते हैं

कलेक्ट्रेट और नगर पालिका के तीनों चौकीदार दिन के समय मंदिर में रहते हैं। अगर वे रात में रहते तो संभवतः यह चोरी नहीं हो पाती।

- पं. उमेश शर्मा, पुजारी, खोयरी मंदिर, राजगढ़

बैंक बदलने के चलते समस्या

पेंशनरों के खातों में नहीं पहुंचा बढ़ा तीन फीसदी महंगाई भत्ता

राजगढ़। राज्य शासन ने बीते दिवस आदेश जारी करते हुए पेंशनरों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। यह बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता 1 मई को आने वाली पेंशन के साथ पेंशनरों के खातों में जमा होना था लेकिन अनेकों पेंशनरों के खातों में राशि क्रेडिट नहीं हो पाई। पूर्व विधायक एवं पेंशनर संघ के जिला संरक्षक रघुवदन शर्मा ने जब पेंशनरों की इस समस्या को संचालक लेकर लीड बैंक बीओआई में संपर्क किया तो वहां से जवाब मिला कि उन्हें शासन से आदेश नहीं मिले हैं। उधर, हरिभूमि ने जब इस बारे में पड़ताल की तो मालूम हुआ कि एसबीआई को एग्रीगेटर बैंक बनाया गया है दूसरे शब्दों में लीड बैंक बनाया गया है। अब एसबीआई अन्य सभी बैंकों जिनमें पेंशनरों के खाते

सीएमओ रानवे ने किया जल आपूर्ति निरीक्षण

कर्मचारियों से कहा शुद्धता में कमी मिली तो नौकरी खा जाऊंगा

हरिभूमि न्यूज ►► सारंगपुर

नगर में शुक्रवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) दीपक रानवे ने स्वच्छता और पेयजल आपूर्ति व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी दी। भीषण गर्मी के बीच नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पानी की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, अन्यथा संबंधित कर्मचारियों की नौकरी पर कार्रवाई तय है।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ वाटर वर्क्स स्थित फिल्टर प्लांट पहुंचे, जहां सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और मौके पर मौजूद कर्मचारियों को फटकार लगाई। उन्होंने जलप्रदाय शाखा प्रभारी राजकुमार गिरजे को निर्देशित किया कि पेयजल शुद्धिकरण की प्रक्रिया में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। सीएमओ ने विशेष रूप से एलम और ब्लीचिंग पाउडर के सही उपयोग तथा नियमित क्लोरीनेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शहरवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल



सके। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस संवेदनशील मौसम में जलजनित बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है, इसलिए गुणवत्ता से समझौता बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने कालीसिंध नदी से निजी स्तर पर हो रहे अवैध जलदोहन पर भी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जुलाई के अंतिम सप्ताह तक निर्बाध और शुद्ध पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहनी चाहिए। अंत में सीएमओ ने दोहराया कि यदि किसी कर्मचारी की लापरवाही सामने आई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उनके इस सख्त रुख से नगर पालिका अमले में हड़कंप की स्थिति देखी गई।

सेवानिवृत्ति पर शिक्षिका जुबेदा सैफी को दी भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ►► सारंगपुर

शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय तलेनी में शुक्रवार को वरिष्ठ शिक्षिका जुबेदा सैफी के सेवानिवृत्ति अवसर पर गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश घुषद उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुरेश वीरमल, विकासखंड समन्वयक बी.एल.



वर्मा, संकुल प्राचार्य पूजा विजयवर्गीय, जन शिक्षक प्रदीप सतीषा एवं रमेश तबली, बीएसी

श्रीमती जुबेदा सैफी के शैक्षणिक योगदान एवं सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस मौके पर निशिंगंध कंजोलिया, सविता लववंशी, सुनीता पांडेय, वैजयंती रेडिसिया, रेखा गौड़, शकुंतला वर्मा, राजेंद्र शर्मा भगवान सिंह पुष्पद, नरेंद्र शिसोदिया सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अनिल पांडेय ने किया, जबकि अंत में आभार प्रदर्शन राजेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया।

कर्मचारियों ने अवकाश बताकर रोकी तुलाई, सुदीप शर्मा ने फटकार लगाई

गेहूं खरीदी केंद्र पर तुलाई बंद, 14 ट्रैक्टर खड़े रहे विधायक प्रतिनिधि पहुंचे तो फिर काम शुरू हुआ

हरिभूमि न्यूज ►► कुरावर

शुक्रवार को कुरावर-काकरिया मार्ग स्थित प्रिंस वेयरहाउस पर गेहूं खरीदी केंद्र की लापरवाही सामने आई। यहां 13-14 ट्रैक्टर गेहूं लेकर पहुंचे किसानों की तुलाई कर्मचारियों ने यह कहकर रोक दी कि "आज अवकाश है।" इससे किसान घंटों तक इंतजार करते रहे। सूचना मिलने पर नरसिंहगढ़ से विधायक प्रतिनिधि सुदीप शर्मा करीब 35 किलोमीटर का सफर तय कर मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों से चर्चा कर उनकी समस्या सुनी और तत्काल अधिकारियों से बात की।

किसानों की परेशानी, घंटों खड़े रहे ट्रैक्टर

केंद्र पर पहुंचे किसानों फूलसिंह राजपूत, रामसिंह और लखन चैहान ने बताया कि वे



सुबह से तुलाई के इंतजार में खड़े थे, लेकिन कर्मचारियों ने साफ मना कर दिया। "अन्य केंद्र चालू, यहां बंद क्यों?" मौके पर पहुंचे सुदीप शर्मा ने अधिकारियों से सवाल किया कि जब अन्य खरीदी केंद्रों पर तुलाई जारी है, तो यहां काम बंद क्यों किया गया। अधिकारियों द्वारा इसे सामान्य बताया पर उन्होंने नाराजगी जताई

और तुरंत व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए। इसके बाद कर्मचारियों ने तुलाई कार्य फिर से प्रारंभ कर दिया।

स्थानीय नेताओं की मौजूदगी

इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. दिनेश मंडलोई, मंडल महामंत्री लखन

राजपूत, रामेश्वर नायक, भूपेंद्र सिंह भदौरिया, अनोखी लाल कोटिया, रोहित शर्मा, रवि शर्मा, राकेश मीना और घनश्याम चंद्रवंशी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

किसानों की मांग

घटना के बाद किसानों ने खरीदी केंद्रों पर नियमित तुलाई व्यवस्था सुनिश्चित करने और लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है। एक तरफ सरकार समर्थन मूल्य पर खरीदी का दावा कर रही है, दूसरी तरफ जमीनी स्तर पर अव्यवस्था किसानों को परेशान कर रही है। सवाल यह है कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी? समिति ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करें और महायज्ञ को सफल बनाएं।

ख़बर संक्षेप

आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित

सीहोर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना अंतर्गत जिले की सभी आंगनबाड़ियों में लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीहोर के गंज स्थित शासकीय स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में लाडली लक्ष्मी योजना की हितग्राही बालिकाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लाडली लक्ष्मी बालिका प्रियांशी चौहान ने इस योजना के लाभ के बारे में सभी को जानकारी दी। इस अवसर पर बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में अर्जुन राठौर, पर्यवेक्षक शशि राठौर, भूपेंद्र अहिरवार, संतोष राठौर सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश

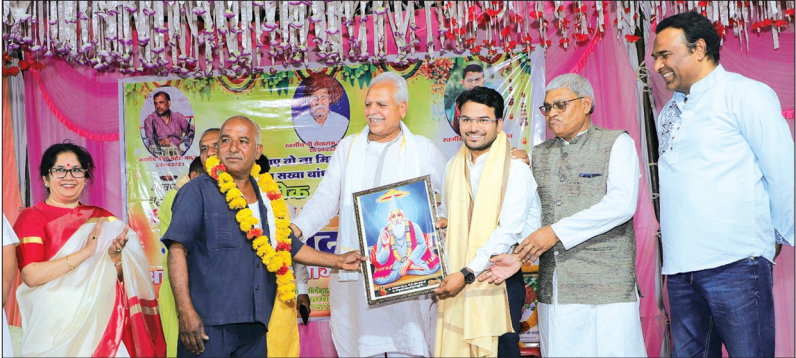
सीहोर। गत दिवस जबलपुर जिले के बरगी में नर्मदा नदी पर हुए क़ूज हादसे को दृष्टिगत रखते हुए भैरूदा एसडीएम सुधीर कुशवाह ने भैरूदा के नर्मदा सीलकंठ नाव घाट का निरीक्षण किया। इसी प्रकार राजस्व एवं पुलिस के अधिकारियों ने कोलार डैम, आंवली घाट सहित अनेक ऐसे घाटों का निरीक्षण किया जहां नाव का संचालन होता है। अधिकारियों ने शाहगंज के बांद्राभान घाट नाविक को लाइफ जैकेट पहनाया और नाव में लाइफ जैकेट उपलब्ध रखने के निर्देश दिए।

मजदूरों की जिंदगी को शिक्षा का रोशनदान ही कर सकता है रोशन : भीमसेन मालवीय

हरिभूमि न्यूज

ग्राम कजलास में आयोजित एक पारिवारिक समारोह उस समय प्रेरणा और उत्साह का केंद्र बन गया, जब अंतर्राष्ट्रीय कबीर भजन गायक प्रहलाद सिंह टिपानिया ने नवनियुक्त असिस्टेंट प्रोफेसर भीमसेन मालवीय को सम्मानित किया। यह सम्मान ग्राम के वरिष्ठजन दशरथ यादव के पारिवारिक कार्यक्रम में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, युवा एवं परिजन उपस्थित रहे। सम्मान ग्रहण करने के बाद भीमसेन मालवीय ने अपनी संघर्षपूर्ण सफलता यात्रा को लोगों के सामने साझा किया।

उन्होंने कहा कि मजदूर परिवार से निकलकर यहां तक पहुंचना आसान नहीं था, लेकिन कठिन परिश्रम, निरंतर अध्ययन और परिवार के सहयोग ने उन्हें यह मुकाम दिलाया। इस दौरान उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय विशेष रूप से अपने पिता आत्माराम खंडेलवाल को देते हुए कहा कि उनके त्याग, अनुशासन, प्रेरणा और संघर्ष ने ही उन्हें आगे बढ़ने की शक्ति दी। उन्होंने कहा कि पिता का विश्वास ही उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी रहा है। अपने संबोधन में भीमसेन मालवीय ने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने बच्चों को हर



हाल में पढ़ाएं, क्योंकि शिक्षा ही श्रमिक और वंचित वर्ग के परिवारों के जीवन में उजाला ला सकती है। शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा मजदूरों के बच्चों को हुक्मरान भी कर सकता है, ये करिश्मा फकत संविधान ही कर सकता है। मजदूरों की जिंदगी को रोशन, शिक्षा का रोशनदान ही कर सकता है। इन पंक्तियों ने पूरे कार्यक्रम में नई चेतना का संचार कर दिया और उपस्थित लोगों ने तालियों का गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। युवाओं और अभिभावकों ने इसे शिक्षा के लिए प्रेरित करने वाला संदेश बताया। इस अवसर पर प्रहलाद सिंह

टिपानिया ने भीमसेन मालवीय को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संघर्ष से सफलता तक पहुंचने वाले युवा समाज की वास्तविक पूंजी होते हैं। उन्होंने कहा कि भीमसेन मालवीय जैसे युवाओं की उपलब्धि ग्रामीण अंचल के बच्चों के लिए आशा का दीपक है। श्री टिपानिया ने उन्हें निरंतर आगे बढ़ते रहने और समाज के वंचित वर्गों के बीच शिक्षा की अलख जगाने का संदेश दिया।ग्राम कजलास में आयोजित यह सम्मान समारोह केवल अभिनंदन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह शिक्षा, संघर्ष, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता का जीवंत संदेश देने वाला प्रेरक आयोजन बन गया।

जीवन में सुख-दुख भी हमारे शुभ अशुभ कर्मों की वजह से आता है: मिट्ठपुरा सरकार

हरिभूमि न्यूज

मनुष्य का जन्म परोपकार के लिए मिला है। इसलिए जीवन में परमार्थ करते रहिए। इससे बड़ा कोई धर्म नहीं है। पर हित सरिस धर्म नहीं भाई। पर पीड़ा सम नहीं अधमाई। जीवन में सुख-दुख भी हमारे शुभ अशुभ कर्मों की वजह से आता है। संतजन कहते हैं। चार वेद छह शास्त्र में, बात मिली है दोया। सुख दीने सुख होत है, दुख दीने दुख होय। उक्त बहुत ही अनुकरणीय प्रवचन सुशीलाअवलेसिया निवास शांति नगर में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के द्वितीय दिवस भागवत भूषण संत श्री मिट्ठपुरा सरकार द्वारा श्रवण कराए गये। आगे महाराज श्री



द्वारा बताया कि मनुष्य जीवन बड़े भाग्य से प्राप्त

हुआ है। यह केवल खाने, पीने, सोने, संतान पैदा करने के लिए ही नहीं मिला है। मानव जीवन भोग के लिए नहीं, योग के लिए मिला है। यह मुक्ति का द्वार है। इस शरीर से व्यक्ति मोक्ष भी प्राप्त कर सकता है। या फिर वापस 84 के बंधन में फंस सकता है। अनेक संतों ने इस शरीर से मोक्ष को प्राप्त किया है। आवागमन के बंधन से मुक्त हुए हैं। जैसे नानक,कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई,धन्ना जाट, कर्मा बाई, रविदास यह सब इसी रास्ते पर चलकर बंदनीय और पूजनीय हुए हैं। इसलिए यह भक्ति का मार्ग गलत नहीं है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृ शक्तियों ने उपस्थित होकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

12वीं कक्षा में 85% से अधिक अंक प्राप्त करने वाली बेटियों का किया सम्मान

मेधावी बेटियों का सम्मान, शिक्षा को मिला प्रोत्साहन

हरिभूमि न्यूज

जिला पंचायत वार्ड 03 के अंतर्गत आज सीहोर में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 85% से अधिक अंक प्राप्त करने वाली मेधावी बेटियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रतिभाशाली बेटियों को सम्मानित कर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया गया एवं उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर छात्रा प्रेक्षा बनवैया का सम्मान किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखलेश राय व विशेष अतिथि के रूप में हितेश चौधरी उपस्थित रहे।

इस दौरान अतिथि के रूप में सीएसपी अभिनंदना शर्मा, अनुशा राठौर, पार्षद विशाल राठौर, डॉ. पुष्पा कन्नौजिया, कपिल परमार, यशिका सरकार, अजय ठाकुर एवं सचिन पंचाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।सम्मानित बेटियों ने 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 85% से अधिक अंक प्राप्त कर अपने परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम के दौरान सभी



छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।कार्यक्रम के आयोजक टीम हरीश गुड्डू चौधरी के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। हरीश चौधरी ने कहा कि बेटियों की शिक्षा और सम्मान ही समाज की

सच्ची प्रगति का आधार है, और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि हर बेटी को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राएं, अभिभावक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नगर में शादी-विवाह के सीजन से बढ़ा ट्रैफिक, जगह-जगह लग रहा जाम

अतिक्रमण और वाहनों से बड़ा बाजार बुधवारा, कन्नौद रोड पर हो रही परेशानी

बाजार संकरा होने और अतिक्रमण के कारण दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे के बीच हालात और खराब हो जाते हैं।

हरिभूमि न्यूज

शहर में इन दिनों यातायात व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई है। शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर लोगों को रोजाना जाम की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। शादी-विवाह के सीजन के चलते यह परेशानी और बढ़ गई है।

बड़ा बाजार और बुधवारा बने जाम के केंद्र

शहर के बड़ा बाजार, बुधवारा और कन्नौद मार्ग पर सबसे ज्यादा ट्रैफिक दबाव देखा जा रहा है। इन इलाकों में कपड़ा, सराफा, चूड़ी-कंगन, किराना और बर्तन की दुकानों पर खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। बाजार संकरा होने और अतिक्रमण के कारण दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे के बीच हालात और खराब हो जाते हैं।

गलत पार्किंग से बढ़ रही परेशानी

पुराना भोपाल-इंदौर मार्ग और शहर के अंदरूनी रास्तों पर वाहनों को दोनों तरफ खड़ा कर दिया जाता है, जिससे रास्ता और संकरा हो जाता है। इसी कारण बार-बार जाम की स्थिति बनती है और कई बार लोगों के बीच विवाद भी हो जाता है।

नियमों का नहीं हो रहा पालन

प्रशासन ने बाजार क्षेत्र में चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई है, लेकिन इसका पालन नहीं हो रहा। यहां पहिया



वाहन लगातार इन मार्गों से गुजर रहे हैं, जिससे पैदल चलने वालों और दोपहिया चालकों की दिक्कत हो रही है।

लोगों ने उठाई व्यवस्था सुधारने की मांग

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो समस्या और बढ़ेगी। उन्होंने प्रशासन से सख्तों से नियम लागू करने की मांग की है।

पुलिस बोली कार्रवाई जारी

ट्रैफिक चौकी प्रभारी शशिकांत शर्मा ने बताया कि प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक पुलिस तैनात है और लगातार चालान की कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद लोग नियमों का



पालन नहीं कर रहे हैं, जिससे समस्या बनी हुई है।

हीरापुर में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ

सीहोर। ग्राम हीरापुर में सप्तादिवसीय श्रीराम मंदिर व रूद्र भगवान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शनिवार से प्रारंभ हो गया। आचार्य पंडित ओमप्रकाश शर्मा, कथा वाचक पंडित ब्रजेंद्र व्यास, यज्ञ आचार्य पंडित अनिल शर्मा व अन्य विप्रजनों, संतजनों की उपस्थिति में वेद मन्त्र उचचारित कर यज्ञ कर्म संपन्न कराये गए। कार्यक्रम मे प्रतिदिन आचार्य पंडित ब्रजेंद्र व्यास के मुखारविंद से समीतमय श्रीमद भागवत कथा का वाचन किया जा रहा है। ग्राम के मुख्य मार्ग ढोल बाजे के साथ कलस यात्रा निकाली गई जिसका ग्रामीणजनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। रविवार को कार्यक्रम में शिव परिवार पूजन, मण्डप पूजन, कर अग्नि स्थापना कर यज्ञ प्रारम्भ किया जाएगा। ग्रामवासियों ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से अपील की है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता प्रदान करें।

ट्रैफिक नियमों और संकेतों का उल्लंघन करने वाले 13 चालकों से यातायात पुलिस ने वसूला जुर्माना

हरिभूमि न्यूज

यातायात पुलिस ने लगातार कस्बा भ्रमण किया। शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों, सघन इलाकों में यातायात व्यवस्था संभाली। कन्नौद रोड स्थित कॉलेज ग्राउंड के पास वेयरहाउस में बने उपर्जन केंद्र पर आए किसानों की ट्रैक्टर-ट्रॉलियों कन्नौद रोड किनारे क्रमबद्ध तरीके से खड़ी करवाई।इससे कन्नौद रोड पर यातायात सुचारु रहा।आष्टा अनुभाग के पदमश्री गांव के उपर्जन केंद्र पर फसल से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की बंपर आवक



हुई। मार्ग अवरुद्ध हुआ। पुलिस ने मौके पर व्यवस्था बनाई। रोड से वाहन हटवाए। कन्नौद

मालवीय विधानसभा प्रभारी नियुक्त

सीहोर। बहुजन समाज पार्टी की संगठन समीक्षा बैठक में बहुजन समाज पार्टी ने कुछ नए पदाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपि है और संगठन में बदलाव करते हुए लखनलाल मालवीय विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया है। साथ में इच्छावर में गैदालाल सूर्यवंशी को विधानसभा प्रभारी एवं सीहोर विधानसभा में बंटी जाटव को विधानसभा प्रभारी बनाया गया है संगठन समीक्षा के दौरान इंजीनियर मारकांत पिप्पल प्रदेश अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी ने कहा कि सक्रिय कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी बढ़ाई जाएगी एवं निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को उनकी क्षमता के अनुसार कार्य दिया जाएगा उसे मजबूती से करेंगे।

बारह ज्योतिर्लिंग की पैदल यात्रा पर निकले सिंधी समाज के युवा दंपती

हरिभूमि न्यूज

अहमदाबाद निवासी निलेश राजानी एवं सोनिया राजानी द्वारा लिए गए संकल्प ने सिंधी समाज सहित समस्त सनातन धर्मावलंबियों के बीच श्रद्धा और प्रेरणा का वातावरण निर्मित कर दिया है। यह युवा दंपती देशहित, समाज सेवा एवं धर्म प्रचार के उद्देश्य से बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन हेतु हजारों किलोमीटर की पदयात्रा पर निकले हैं और बोते भी माह से निरंतर यात्रा कर रहे हैं। भीषण गर्मी भी इन दोनों के संकल्प को डिगा नहीं पाई है। सिंधी समाज ने दोनों युवाओं का आत्मीय स्वागत व सम्मान किया। भीषण गर्मी के बावजूद दोनों श्रद्धालुओं ने अब तक लगभग 8900 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूर्ण कर ली है तथा इस दौरान 5 शक्तिपीठों की भी दर्शन कर चुके हैं। उनकी इस कठिन तपस्या और अटूट आस्था को लेकर विभिन्न स्थानों पर समाजजनों द्वारा उनका उत्साहवर्धन किया जा रहा है। इसी क्रम में आष्टा पहुंचने पर स्थानीय सिंधी समाज एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा श्री गुरुद्वारे में दंपती का स्वागत किया गया। पुष्पमालाओं एवं जयकारों के साथ



उनका अभिनंदन करते हुए समाजजनों ने उनकी इस धार्मिक यात्रा को सराहनीय बताया और सफलतापूर्वक पूर्ण होने की शुभकामनाएं दीं। स्वागत उपरांत दोनों श्रद्धालु सिंधी समाज के वरिष्ठ मनोहर भोजवानी के निवास पर पहुंचे, जहां उनके भोजन एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई। समाज की ओर से उनका आत्मीय स्त्कार किया गया। इसके पश्चात शुक्रवार, 1 मई को प्रातः 5 बजे निलेश राजानी एवं सोनिया राजानी पुनः अपनी पदयात्रा पर आगे के गंतव्य की ओर प्रस्थान कर गए। उनकी यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज में सेवा, समर्पण और संकल्प की भावना को भी प्रेरित कर रही है।

जिला पंचायत सीईओ ने की समावेशी शिक्षा से जुड़े कार्यों की समीक्षा

सीहोर। जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव की अध्यक्षता में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत एपीसी, आईडी सहित सभी बीआरसीसी और एमआरसी के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ ने समावेशी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की तथा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में विशेष बच्चों की पहचान, स्क्रीनिंग, यूडीआईडी कार्ड, गृह आधारित शिक्षा, छात्रावास संचालन, लेप्रोसी क्वॉर्ड दिव्यांग बच्चों का चिन्हंकन, संसाधन केंद्र सुदृढ़ीकरण, उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग, नए स्कूल सहित अनेक बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके साथ ही समावेशी वातावरण निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को सक्रिय बनाने एवं अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। सीईओ ने सभी एपीसी, आईईडी और एमआसी की निर्देशित किया कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में समावेशी शिक्षा के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाएं और समन्वय बनाकर कार्य करें।



पूर्व नपा अध्यक्ष ने केंद्रों पर किसानों के साथ हो रही चोरी का किया खुलासा

मौके पर पहुंचे तहसीलदार, लगाई फटकार



हरिभूमि न्यूज

जावर जोड़ स्थित एक हाउस पर किसानों के साथ गेहूँ तुलाई में लूटमार की जा रही थी। जिसकी सूचना नगर परिषद जावर के पूर्व अध्यक्ष शैलेश कुमार वैद्य को किसान महिपाल सिंह भाटी व अन्य किसानों ने चोरी की सूचना दी। बताया गया कि में 30 क्विंटल गेहूँ घर से तौल करके लाया था। लेकिन मेरे एक क्विंटल गेहूँ तुलाई के दौरान गायब कर दिया। तुलाई के दौरान मेरे केवल 29 क्विंटल गेहूँ निकले। जब मैंने वेयर हाउस पर यह बात की तो वेयरहाउस के लोगों ने चुपचाप से मुझे एक क्विंटल गेहूँ वापस लौटाया। ऐसा कई किसानों के साथ किया जा रहा है। जब चोरी नहीं हो रही है तो फिर गेहूँ लौटाया क्यों गया। यह बड़ा सवाल है। तब पूर्व नपा अध्यक्ष वैद्य मौके पर पहुंचे और वहां पर जिम्मेदार तहसीलदार

जावर को सूचना दी। तब तहसीलदार सिद्धांत सिंह सिंगला मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्वयं किसान के गेहूँ को तुलवाया तो तहसीलदार भी दंग रह गए। पचास किलो की बोरी में केवल 48 से 49 किलो ही गेहूँ दिख रहा था। तहसीलदार ने वेयर हाउस के लोगों को बुलाकर फटकार लगाई।

साथ ही जिम्मेदारों पर कार्रवाही करने के लिए सभी किसानों को आश्वासित किया। जावर तहसीलदार सिद्धान्त सिंह सिंगला ने सक्रियता दिखाते हुए किसानों के साथ हो रहे इस अन्याय पर वरिष्ठ अधिकारियों को भी जानकारी देने का कहा है। जावर नगर के पूर्व अध्यक्ष शैलेश कुमार वैद्य ने प्रशासन की सक्रियता की प्रशंसा की। वैद्य ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि जिलाधीश इस मामले में संज्ञान लेंगे तथा किसानों के साथ हो रहे व्यवहार पर सख्त कानूनी कार्रवाई करेंगे।